BIHAR 5 RS

INDIA

पाँच रूपया — पाँच रूपया

FIVE RUPEES भारत FIVE RUPEES

विक्री दू.कं. 1
रवाता 2
मूल्य 400) रु.
थाना सिल्ली
रकबा 12 डी.
रि. 10 कं.

रु	10.00
रु	3.00
	13.00
	20.
	18
	1.44
	14/44

1- लेख्यकारी - श्री राधा राघवन दुबे वल्द स्व० देवकी दुबे जात कान्यकुब्ज ब्राह्मण पेशा खेती साकिन गोतरा लखना टोली प्रगणा बेरु थाना सिल्ली जिला रांची (विक्रेता)

2- लेख्यधारी - श्री सुरेश तिवारी पिता श्री मंगल तिवारी जात कान्यकुब्ज ब्राह्मण पेशा नौकरी जिद्दगा तथा श्री करण दयाल पिता श्री दरबारी साहु जाति ब्राह्मण पेशा नौकरी जिद्दगा ग्राम सिल्ली डेग्गा प्र. बेरु थाना सिल्ली जिला रांची (क्रेता)।

3- लेख्य प्रकार - विक्रय पत्र केवाला बैला कलामी पुत्र-पुत्रादिक एवं वारिसान के लिये सदा सर्वदा हेतु तारीख तहरीर से मालगुजारी मो बलिग - 2 रु. 60 पै. मवाजीब सालाने सन 1963 ई. से बिहार सरकार बजरिये अंचल पदाधिकारी ओकान यो. ओ. सिल्ली डेग्गा के सिरिश्ते में दाखिल खारिज अपने नाम से कराके सालाने मालगुजारी दिया करे व अपने नाम से नेसियोल पावेगें

4- तायदाद कौंसा - मोबलिग 400) रु. चार सव रुपैया जिसका आधा

[illegible]

[illegible]

BIHAR 5 Rs

INDIA

पाँच रूपया

FIVE RUPEES भारत FIVE RUPEES

मै बलिग ४००) रु चार सव रूपैया होता है नगद लिया

५- तफसील जायदाद:- हकियत रैती काइमी तिजोरी दरवली स्वेरजुमी मरकुमें तारीख ५-३-६८ रजिस्टर पट्टा न. ६६ के मौजा बिके अन्दर मौजा गोतरारपरना सिल्लीडेगा थाना नं-८० खे.नं. २ खाता न. २०५ मध्ये पलाट न. ५०२१ डीहारी डोड रकबा ०१ डि. मौसे सिर्फ ५ डि. हाल चौहद्दी उ. किस्टो भगत ए का द. रास्ता पु. सुधीर भट्टर प. किसोर नाच साव होते हैं जिसका डिस्ट्रीक रजिस्ट्रार मो. रांची वो सब रजिस्ट्रार मो. सिल्लीडेगा है।

१- आगे हमको मो. ४००) रु. चार सव रूपैया पावने के चन्दु देन तथा घरेलु खर्च के जरुरी अपने मुनदरजे हासिया नं. २ से लिया वो अपने तसरुफ में लाया जिसके वज रूपया के जमीन हासिया न. ५ के अन्दर वरिणत को मुनदरजे हासिया नं. २ के साथ केवाला बैनामा लाकी पत्र-विक्रय लिख दिया कि सदा सर्वदा हेतु प्रकाश रहे।

२- मैं प्रतिज्ञा करता हूँ कि यह मेरी खरीदगी जमीन है इसका स्वतंत्र अधिकार हम या हमारे वारिसान का या किसी का भी नहीं जो हक-अधिकार था आज के तारीख से लेकर खरीदार के तथा उनके वारिसान का होगा। मिलान का होगा तथा रहेगा। वे अपने इच्छा नुसार मकान बनावें कुंआ खोदें तथा जिस तरह के अपने फायदे के सकें परम सुख भोग कर तसरुफ करें

[illegible]

[illegible]

BIHAR 2 RS

INDIA

दो रुपया

दो रुपया

TWO RUPEES भारत TWO RUPEES

3- वास्ते सोच समझ कर पक्का विक्रय पत्र केवाला लिख दिया कि हमारा रैयतवार इसको हक पर हमारे वारिसान कायम मुकाम कोई किसी तरह का कोई उजुर नहीं है न आइन्दे होगा अगर हो तो सरे अदालत ले वजायगा समझा जायगा वाजे रहे कि पाँच डि. अहोल दुरुखीन से और लम्बाई पर दिया जा रहा है /

मैं प्रमाणित करता हूँ जो सम्पति का अन्तरण कर [illegible] अधिक नहीं होगी हस्ताक्षर विक्रेता /

मैं प्रमाणित करता हूँ कि अन्तरित करने वाले प्रति कार अन्तरित सम्पति अधिकतम सम्पदा से अधिक नहीं होगी हस्ताक्षर क्रेता --- सुरेश तिवारी एवं कमलयादव

लिपिक :- परमेश्वर पांडे टाइप बकरा-टांगर हाल सो-सिसडेगा कच हरी कस्वे केन को विक्रय पत्र लिख वो पढ़ के सुना समझा दिया वो खुद पढ़ लिये बोले ठीक है /

तारीख बहात मार्च सन ओनिस सवतिहत्तर रिवी | ता:- २८ - ३ - १९६३ ई. /